12

I;kIk dkSvk

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने कौआ और श्रृगाल की कहानी पढ़ी, जिसके माध्यम से आपने जाना कि दूसरों की चिकनी चुपडी बातों में आने से खुद का ही नुकसान होता है। इस पाठ में आप प्यासा कौआ की कहानी के माध्यम से आप सीखेंगे कि मुश्किल समय में बुद्धिमानी से लिया गया निर्णय आपको कैसे संकट से बाहर ले आता है। साथ ही आप संस्कृत के सरल वाक्यों का कहानी में प्रयोग करना भी सीखेंगे।

mÌs';

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- कहानी को संस्कृत में पढ़ पाने तथा उसका अर्थ समझ पाने में;
- कहानी के मूल भावार्थ को समझ पाने में; और
- संस्कृत के छोटे वाक्यांशो को समझ पाने में।

l;kIk dkWvk

12.1 eydFkk&I

,d% dkd% ou vklhrA rL; cg fiikIk vHkorA

जंगल में एक कौआ था।
उसे बहुत प्यास लगी थी।

ij tyu vklhrA vr% tykFk mìf;rokuA cg nj xrokuA d=kfi tyu –"VokuA vr% brkfi cg nj xrokuA

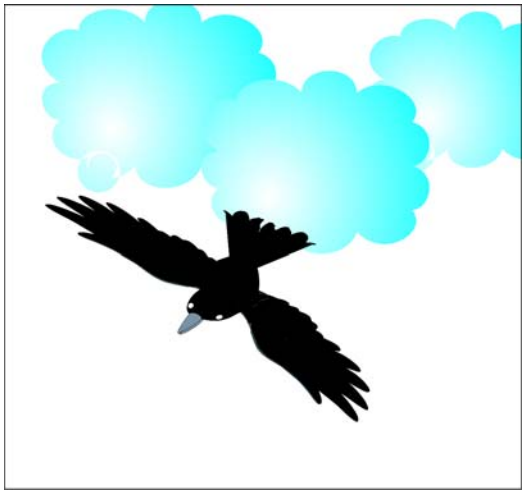

परंतु वहाँ पर पानी नहीं था। इसलिए वह जल की तलाश मे बहुत दूर उड़ गया। परंतु कहीं भी जल नही दिखा। इसलिए वहाँ से भी बहुत दूर चला गया।

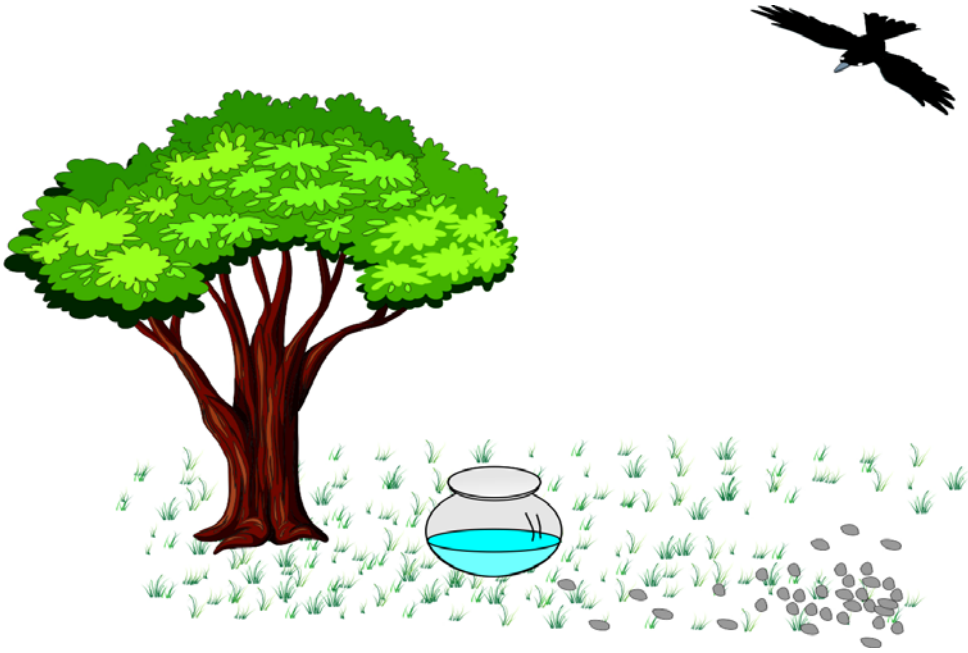

r= ,d ?kV –"VokuA ?kV tye vkIhrA

तब उसे एक घड़ा दिखाई दिया। घडे में जल था।

fdUr tyk v/k%
vkIhrA

tyL; ikukFk d"Ve
vHkorA

परंतु जल घडे में बहुत नीचे था इसलिए जल पीने में उसे कठिनाई हो रही थी।

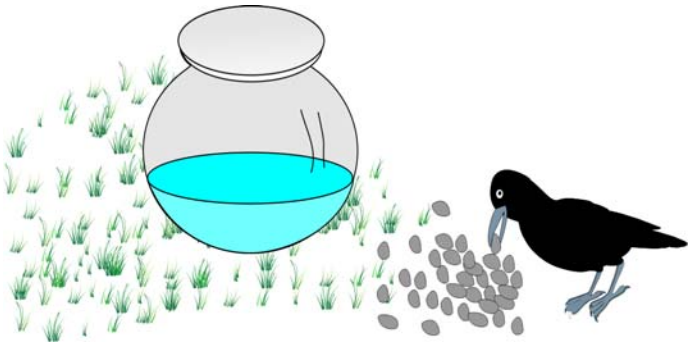

l;kl dk'vk

vr% ,de~ mik;% —rokuA r= f'kyk[k.Mkfu vklu~A f'kyk[k.Mkfu vkfurokuA

इसलिए उसने एक उपाय किया। पत्थर के छोटे टुकडे देखे। उन्हें एकत्रित किया।

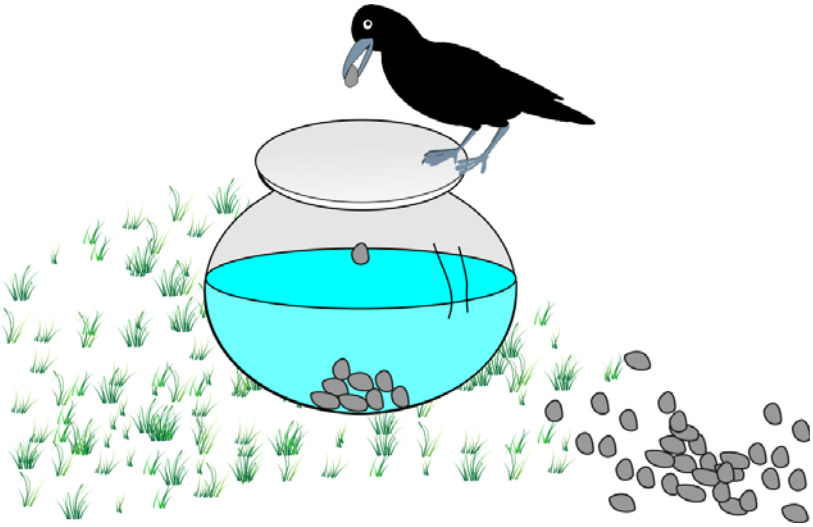

rkfu f'kyk[k.Mkfu ?kVs LFkkfirokuA tye~ mifj vkxrorA

उन पत्थर के टुकडों को घडे में डाल दिया। पानी ऊपर आ गया।

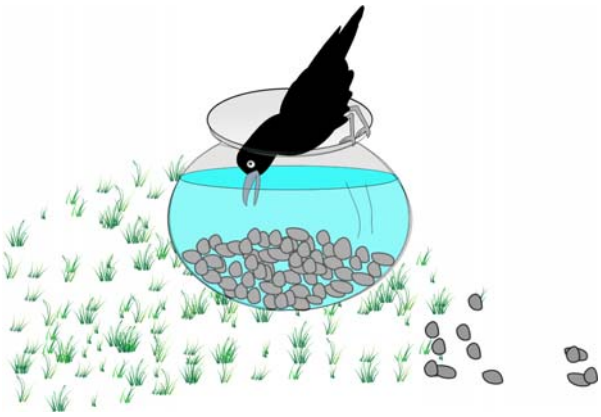

dkd% tya ihrokuA
lUrks"ke vuHkrokuA

कौअें ने पानी पिया और संतोष की अनुभूति की।

iqu% mì;u —rokuA

वह पुनः उड़गया।

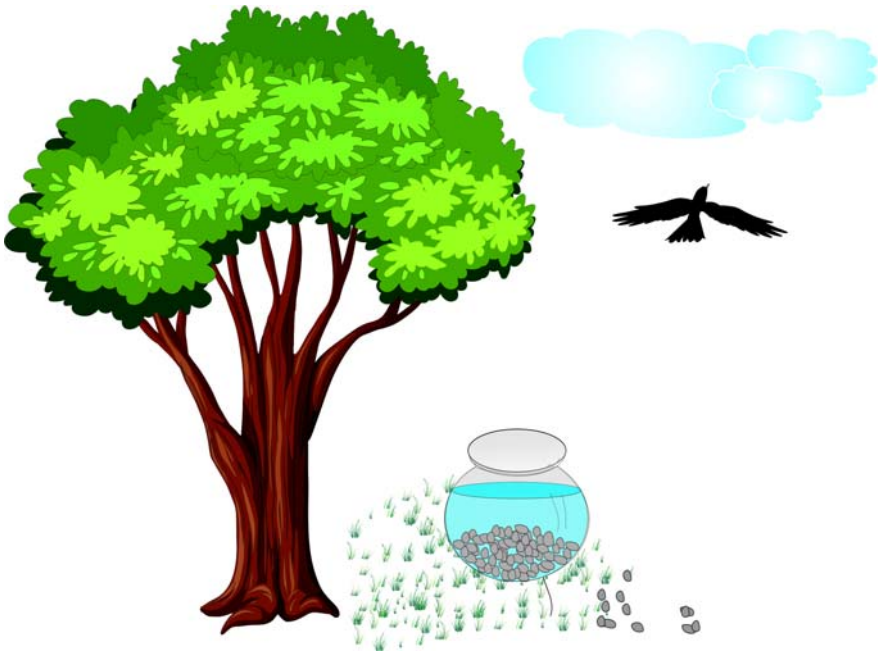

f'k{kk& मुश्किल समय में व्याकुल होने की बजाय बुद्धिमानी के साथ सार्थक प्रयास करने से कोई भी कार्य असंभव नहीं होता है।

l;kl k dkvk

'kCnkFk

काकः– काक

वने– वन में

बहु– अधिक

आसीत्– या अस्ति

पिपासा– प्यासन– नहीं

अतः– इसलिए

अभवत्– हुआ

इतोपि – भी

घट– मग

किन्तु – परन्तु

स्थापितवान्– किया

अधः– नीचे

घटे–घडे में

आनीतवान्– लाया

कुत्रापि– कहीं भी

अनुभूतवान् – अनुभूत किया

ikBxr iz'u& 12-1

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में दीजिए–

1) काकः कुत्र आसीत्?

2) काकः किमर्थम् उड्डयितवान्?

3) काकः घटे किं दृष्टवान्?

4) काकः शिलाखण्डानि कुत्र स्थापितवान्?

5) घटे किम् आसीत्?

6) काकः घटे किं स्थापितवान्?

7) काकः किमर्थं कष्टम् अनुभूतवान्?

2. निम्न संस्कृत के शब्दों का अर्थ हिन्दी में लिखिए।

i. प्रपरह्यः

ii. परह्यः

iii. ह्यः

iv. अद्य

v. श्वः

vi. परश्वः

vii. प्रपरश्वः

I;kIk dkvk

vkiu D;k Ih[kk\

- कहानी की शिक्षा तथा सारांश।
- नये संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग।

ikBkr i'u

I. रिक्त स्थान की पूर्ति किजिए–

1) अद्यः भानुवासरः। प्रपरश्वः कः ....?

2) परह्यः शनिवासरः। परश्वः कः ....?

mÙkjekyk

12.1

1. वने
2. जलार्थं
3. जलं अधः आसीत्
4. घटे
5. जलम्
6. शिलाखण्डानि
7. जलस्य पानार्थं

12.2

i. बीते हुए कल से दो दिन पहले

ii. बीते हुए पल से एक दिन पहले

iii. बीता हुआ कल

iv. आज

v. आने वाला कल

vi. आने वाले कल से एक दिन बाद

vii. आने वाले कल से दो दिन बाद